æË ρπ ± ρπ ∑ ûaæΩ, § ĝ çæ† –, ∏ρ∑≤∏

Ñª Ï

{ÏÂØ∏ρ † ρ∞ς ûaæΩ ŵª¡ ŵªï ρπ ∑, ∏ρ∑≤∏

ûaæΩ ∂ úæ∂ æπ ρø æ€ρÑl

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi)

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

<u>Advisory Committee:</u> Agrometeorology- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, Dr.V.K.Dubey **Horticulture**-Dr. H.G. Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. G.L.Sharma, Dr,Gaurav sharma **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.R.K.Naik ,**SWE**-Er.Dhiraj Khalkho

वर्ष: 26, क्रमांक:90 **दिनांक** **21.11.2017**

<u>मौसमपूर्वानुमान:(जिले के लिए(राजनांदगाँव)</u>-

DISTRICT	DATE	Rainfall	Max temp	Min Temp	Cloud	Max RH	Min RH	Wind	
								Speed	Direction
RAJNANDGAON	22.11.2017	0	28	19	2	80	55	0	0
RAJNANDGAON	23.11.2017	0	28	18	2	80	55	0	0
RAJNANDGAON	24.11.2017	0	27	18	0	80	55	0	0
RAJNANDGAON	25.11.2017	0	27	17	1	80	55	0	0
RAJNANDGAON	26.11.2017	0	26	16	1	80	55	0	0

<u>मौसम आधारित कृषि सलाह</u>

<u>सामान्य</u>

1. धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल द्वारा फसलों की बुवाई करें।
2. खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करें एंव चना, कुसुम, अलसी एंव मसूर की समय पर बुवाई करें।
3. चने में बीजोपचार अवश्य करें। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज + राइजोबियम कल्चर 6-10 ग्राम तथा ट्राईकोडर्मा पाउडर 6-10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
4. उथली जुताई हेतु रोटावेटर का प्रयोग कर समय एवं ईंधन की बचत करें।
5. छोटे किसान बैल चलित भोरमदेव सीडड्रील का प्रयोग कर चने की कतार बोनी कर सकते हैं।

<u>सब्जियों</u>

1. सब्जियों के बीज को बुवाई से पूर्व मेटालेक्सील दवा 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
2. 20 फिरोमेन ट्रेप प्रति हेक्टेयर प्रयोग कर भटा, टमाटर एवं भिंडी फसल में भेदक कीट का नियंत्रण करे।

<u>फल</u>

1. पुराने आंवले के पेड़ में पुन: उद्धारण हेतु 1 मीटर की ऊंचाई से कटाई एंव छटाई करें।
2. नीबूवर्गीय वृक्षों में बोरेक्स 100 ग्राम प्रति पौध एवं मैग्नीशियम सल्फेट 80 ग्राम प्रति पौध डालकर जड़ों की गुडाई करें।
3. फलदार उद्यान में सिंचाई की टपक पद्धति का उपयोग कर जल की उपयोगिता बड़ा सकते हैं।

<u>पशुपालन</u>

1. नवजात बछड़ों मेमनों आदि को ठंड से बचाव हेतु फर्श पर पैरा का गहरा बिछावन बिछाये एवं छत वाले बाड़े में रात को रखें।
2. बहुवार्षिक चारा फसल की कटाई कर ले एवं अतिरिक्त मात्रा का संग्रहण कर रखे।
3. इस माह के अंत तक बरसीम की बुवाई अवश्य कर लें ।